सीमा जौनसारी,
निदेशक,

प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेड़ा, देहरादून।
फोन नं0–0135–2781828
दिनांकः 14 अगस्त, 2015

''स्वतन्त्रता दिवस सन्देश''

69वें स्वतन्त्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, उनके माता–पिता, अभिभावकों समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं,कर्मचारियों एवं अधिकारियों को हार्दिक बधाई देती हूँ। आज के इस शुभ अवसर उन अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि तथा देश को स्वतंत्र कराने में उनके कष्टों व बलिदानों के प्रति अपनी कृतज्ञता भी अर्पित करती हूँ।

राज्य गठन के पश्चात विद्यालयों की स्थापना और शैक्षिक गुणवत्ता की दृष्टि से अनेक कार्य किये गये हैं। प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों का शतप्रतिशत नामांकन व ठहराव सुनिश्चित किये जाने की आवश्यकता है। विगत 6 अप्रैल को अध्यापक, अभिभावक और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ''जन–जन का प्रयास शिक्षा का विकास'' कार्यक्रम का सफल आयोजन आप लोगों द्वारा किया गया। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। इस कार्यक्रम के अगली कड़ी में बालगणना के विद्यालय में प्रवेश से छूटे हुए बच्चों को राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाये जाने हेतु दिनांक 17 से 22 अगस्त तक ''नामांकन सप्ताह'' का आयोजन किया जायेगा। इसके सफल आयोजन के लिए आपको अग्रिम शुभकामनायें।

विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किये जाने की आवश्यकता है। जिससे विद्यार्थी अधिकाधिक ज्ञान अर्जित कर उसका अपने जीवन में उपयोग कर सकें। कक्षावार एवं विषयवार छात्रों को कितना ज्ञान होना चाहिए इसको प्रदर्शित करने हेतु प्रत्येक विद्यालय को दक्षता सूचकांक उपलब्ध कराये गये हैं। यह विद्यार्थी की सम्प्राप्ति स्तर को अपेक्षित स्तर तक लाने में सहायक होगा। जिससे अभिभावकों एवं जन सामान्य को भी यह जानकारी होगी कि उनके पाल्य को किन–किन विषयों–सामग्रियों का ज्ञान होना चाहिये और इससे अभिभावकों में भी अपने पाल्य की शिक्षा के प्रति प्रगति हेतु रूचि उत्पन्न होगी।

हमारा उद्देश्य बच्चों को मात्र किताबी ज्ञान देना नहीं है अपितु बच्चों का सर्वांगीण विकास करना शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य है। पठन–पाठन के अतिरिक्त विद्यार्थियों की अभिरूचियों को चिन्हित कर उन्हें खेल–कूद, स्काउट–गाइड, गीत–संगीत, वाद–विवाद प्रतियोगिता, आलेखन आदि अभिरूचियों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है। सभी प्रधानाध्यापकों का उत्तरदायित्व है कि बच्चों को उनकी अभिरूचि के क्षेत्रों में अधिकाधिक प्रतिभाग करने के अवसर उपलब्ध करायें। विभाग एवं अन्य संस्थाओं द्वारा कराये जाने वाले आयोजनों में सम्मिलित करायें, सभी बच्चे ऐसे आयोजनों में प्रथम नहीं आ सकते हैं किन्तु ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को सीखने के अवसर के साथ–साथ अपनी दक्षता में अभिवृद्धि का अवसर उपलब्ध होता है।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूकता तथा अच्छी आदतों का विकास किया जाना भी शिक्षा का एक अंग है। व्यक्तिगत एवं परिवेशीय स्वच्छता के लिए ''स्वच्छ भारत अभियान, हाथ धोओ अभियान' संचालित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बच्चों के स्वस्थय रक्षा के दृष्टिगत विभिन्न रोगों की पहचान एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का अधिकाधिक लाभ उठाया जाय।

विकास खण्ड स्तर पर उप शिक्षा अधिकारियों की तैनाती की गयी है मेरी आशा है कि इससे कार्य में गतिशीलता आयेगी। मैं विभागीय अधिकारियों से अपील करती हूँ कि वे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं विद्यालयों की समस्याओं का तत्परता से समाधान करें, समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलम्ब होने से कार्य प्रभावित होने की सम्भावना बनी रहती है।

अन्त में देश के शहीदों, राष्ट्र की सेवा में अपना अभीष्ट योगदान करने वाले सपूतों को याद करते हुए स्वतंत्रता दिवस के इस पर्व पर हम अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी के साथ सम्पादित करने का संकल्प लें।

पुनः आपको 69वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड।

14/8/15

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,